International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 5.143, Volume 02, No. 04, October - December, 2020, pp.276-280

# जयपुर महानगर में सड़क दुर्घटनाएँ : कारण, प्रयास एवं विश्लेषण

डॉ. आर. एन. शर्मा*
कजोड मल शर्मा**

**प्रस्तावना**

शहरी क्षेत्रों का भौतिक विस्तार (क्षेत्रफल, जनसंख्या) शहरीकरण/नगरीकरण कहलाता है। विकास के क्रम में मुख्यतः जनसंख्या वृद्धि, नगरीकरण, नगरीय वृद्धि, औद्योगिकरण एवं प्रवास प्रमुख घटनाएँ हैं। इन सभी प्रक्रियाओं में जनसंख्या दबाव निश्चित केन्द्रों पर पड़ता है और वे केन्द्र मुख्यतः महानगर होते हैं। भारत में 2001 की जनगणना में शहरी जनसंख्या 27.81 प्रतिशत थी जो 2011 में बढ़कर 31.16 प्रतिशत हो गयी है।

अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि, प्रवास, भौतिकवादी सोच, विलासिता पूर्ण रवैया तथा नगरों के आकार में वृद्धि के कारण यातायात के साधनों का सड़कों पर भार बढ़ता जाता है। यातायात के साधनों की अधिकता, भागदौड़ भरी जीवन शैली, नशीले पदार्थों का सेवन आदि से शहरी क्षेत्रों में नियोजन प्रबंधन में अव्यवस्था उत्पन्न हो जाती है। इस अव्यवस्था का सर्वाधिक प्रभाव यातायात प्रवाह व यातायात व्यवस्था पर पड़ता है। यातायात साधनों की संख्या में वृद्धि यातायात व्यवस्था के अव्यवस्थित प्रबंधन के कारण सड़क दुर्घटनाओं में निरन्तर वृद्धि होती जा रही है। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के विभिन्न सरकारी प्रयास किये जा रहे हैं। सड़कों पर निगरानी, आपातकालीन चिकित्सीय सेवाओं में वृद्धि की जा रही है जिससे दुर्घटनाग्रस्त लोगों को तुरन्त उपचार मुहैया करवाया जा सके।

**अध्ययन क्षेत्र**

राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है जिसकी राजधानी जयपुर है। जयपुर राज्य का सबसे बड़ा शहर है, जिसे गुलाबी नगरी भी कहते है। इसकी स्थापना 18 नवम्बर, 1927 में महाराजा श्री सवाई जयसिंह द्वितीय के द्वारा की गई। जयपुर भारत का 10वाँ बड़ा महानगर है। जनगणना 2011 के अनुसार जयपुर की जनसंख्या 30,46,163 है। पूर्व आधुनिक भारतीय नगरों में यह शहर अपनी गलियों की चौड़ाई व निरन्तरता के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। शहर को भारतीय वास्तु शास्त्र विद्याधर भट्टाचार्य के द्वारा नियोजित किया गया है। यह उत्तर–पश्चिमी रेलवे मण्डल के दिल्ली–अहमदाबाद पर स्थित है। जयपुर शहर राष्ट्रीय राजमार्ग नं. 48 पर है जो दिल्ली को मुम्बई से जोड़ता है और एन.एच. 21 बीकानेर को आपस में जोड़ता है।

जयपुर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा सांगानेर में स्थित है जो 10 किमी. की दूरी पर स्थित है। जयपुर 26°92′ उत्तरी अक्षांश तथा 75°82′ पूर्वी देशान्तर पर स्थित है। जयपुर शहर में औसत 26 सेमी. वार्षिक वर्षा ग्रहण करता है। जिसमें अधिकतम, मानसून के महिने में जून से सितम्बर में होती है। औसत अधिकतम तापमान 32° सेल्सियस और निम्नतम तापमान 15° सेल्सियस तथा आर्द्रता कम या नहीं के बराबर है (33 प्रतिशत) हवाएँ उ.पू. है जो 8 किमी. की गति से चलती है। समुद्रतल से 431 मीटर की ऊँचाई पर जयपुर शहर अवस्थित है।

जयपुर शहर में जलप्रवाह के लिए अमानीशाह नाला है जिसे वर्तमान में पक्का करवा दिया गया है। वर्षा के दिनों के अलावा यह नाला नगरीय अपशिष्ट का प्रवाह करता है।

---

* एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान ।
** शोधार्थी, भूगोल विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।

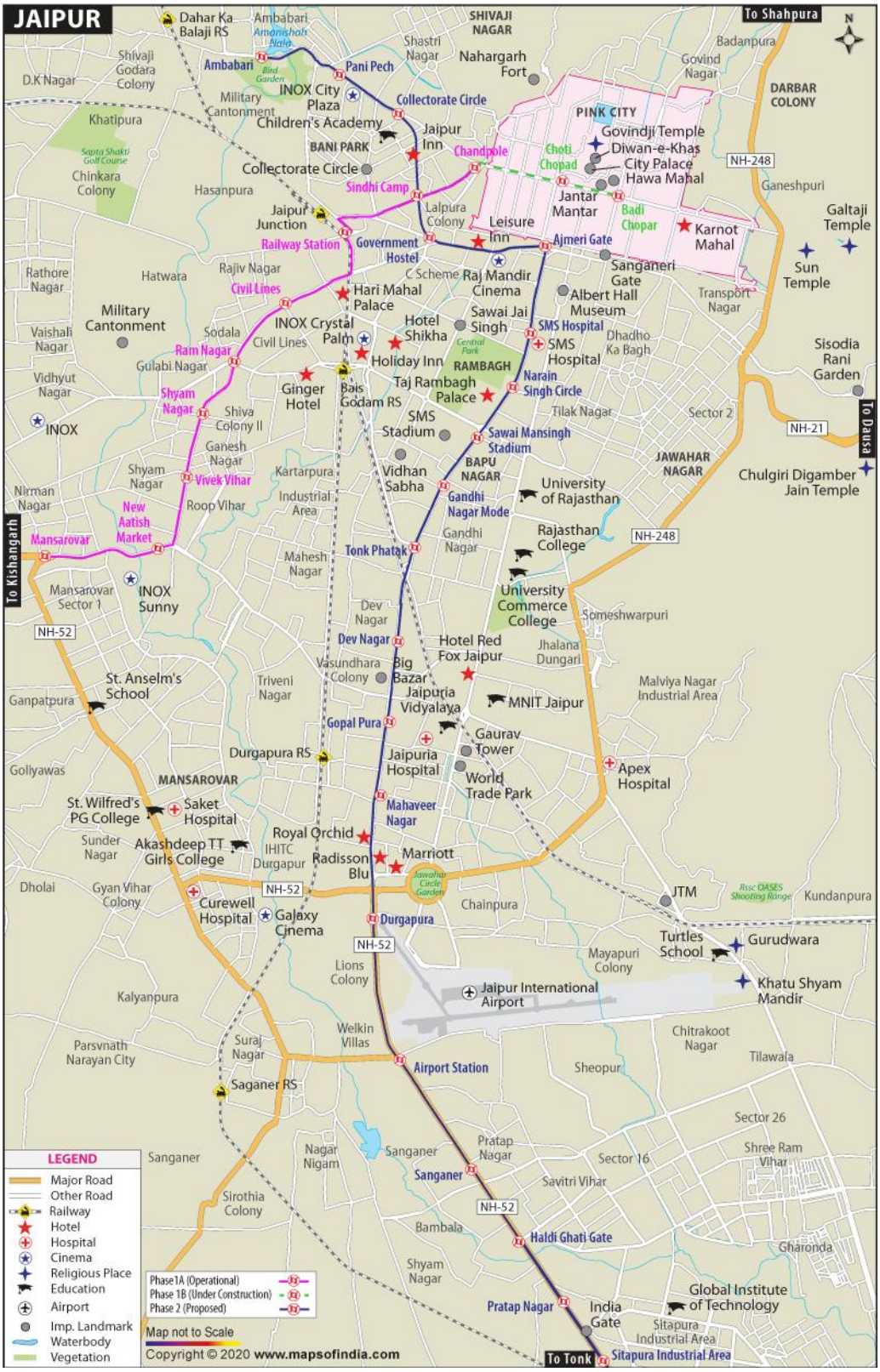

JAIPUR
To Shahpura
Dahar Ka Balaji RS
Ambabari
Amanishah Nala
SHIVAJI NAGAR
Shastri Nagar
Nahargarh Fort
Badanpura
Govind Nagar
DARBAR COLONY
D.K Nagar
Shivaji Godara Colony
Ambabari
Pani Pech
INOX City Plaza
Collectorate Circle
Military Cantonment
Children's Academy
Khatipura
Sapta Shakti Golf Course
Chinkara Colony
BANI PARK
Jaipur Inn
Chandpole
PINK CITY
Govindji Temple
Diwan-e-Khas
City Palace
Hawa Mahal
Choti Chopad
Collectorate Circle
Sindhi Camp
NH-248
Ganeshpuri
Hasanpura
Jaipur Junction
Lalpura Colony
Jantar Mantar
Badi Chopar
Karnot Mahal
Galtaji Temple
Railway Station
Government Hostel
Leisure Inn
Ajmeri Gate
Sanganeri Gate
Sun Temple
Rathore Nagar
Hatwara
Rajiv Nagar
C Scheme
Raj Mandir Cinema
Civil Lines
Hari Mahal Palace
Albert Hall Museum
Transport Nagar
Military Cantonment
Vaishali Nagar
Sodala
INOX Crystal Palm
Hotel Shikha
Sawai Jai Singh
SMS Hospital
Dhadho Ka Bagh
Sisodia Rani Garden
Ram Nagar
Civil Lines
Holiday Inn
Central Park
RAMBAGH
Gulabi Nagar
Vidhyut Nagar
Shyam Nagar
Ginger Hotel
Bais Godam RS
Taj Rambagh Palace
Narain Singh Circle
Tilak Nagar
Sector 2
Shiva Colony II
INOX
SMS Stadium
Sawai Mansingh Stadium
NH-21
To Dausa
Ganesh Nagar
BAPU NAGAR
JAWAHAR NAGAR
Shyam Nagar
Vivek Vihar
Kartarpura
Vidhan Sabha
Gandhi Nagar Mode
University of Rajasthan
Chulgiri Digamber Jain Temple
Nirman Nagar
New Aatish Market
Roop Vihar
Industrial Area
Gandhi Nagar
Rajasthan College
NH-248
Mansarovar
Mahesh Nagar
Tonk Phatak
To Kishangarh
Mansarovar Sector 1
INOX Sunny
University Commerce College
Dev Nagar
Someshwarpuri
NH-52
Dev Nagar
Hotel Red Fox Jaipur
Jhalana Dungari
Vasundhara Colony
Big Bazar
Malviya Nagar Industrial Area
Ganpatpura
St. Anselm's School
Triveni Nagar
Jaipuria Vidyalaya
MNIT Jaipur
Gopal Pura
Gaurav Tower
Durgapura RS
Jaipuria Hospital
Apex Hospital
Goliyawas
MANSAROVAR
World Trade Park
St. Wilfred's PG College
Saket Hospital
Mahaveer Nagar
Sunder Nagar
Akashdeep TT Girls College
Royal Orchid
IHITC
Durgapur
Radisson Blu
Marriott
Dholai
Gyan Vihar Colony
NH-52
Jawahar Circle Garden
Chainpura
JTM
Rssc OASES Shooting Range
Kundanpura
Curewell Hospital
Galaxy Cinema
Durgapura
NH-52
Mayapuri Colony
Turtles School
Gurudwara
Lions Colony
Jaipur International Airport
Khatu Shyam Mandir
Kalyanpura
Welkin Villas
Chitrakoot Nagar
Parsvnath Narayan City
Suraj Nagar
Airport Station
Sheopur
Tilawala
Saganer RS
Sector 26
Sanganer
Nagar Nigam
Sanganer
Pratap Nagar
Sector 16
Shree Ram Vihar
Sanganer
Savitri Vihar
Sirothia Colony
NH-52
Bambala
Haldi Ghati Gate
Gharonda
Shyam Nagar
Global Institute of Technology
Pratap Nagar
India Gate
Sitapura Industrial Area
To Tonk
Sitapura Industrial Area
LEGEND
Major Road
Other Road
Railway
Hotel
Hospital
Cinema
Religious Place
Education
Airport
Imp. Landmark
Waterbody
Vegetation
Phase 1A (Operational)
Phase 1B (Under Construction)
Phase 2 (Proposed)
Map not to Scale
Copyright © 2020 www.mapsofindia.com

**उद्देश्य**

- जयपुर शहर में यातायात की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करना।
- विभिन्न वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं की संख्यात्मक तुलना करना।
- नगरीय वृद्धि व सड़क दुर्घटनाओं में सम्बन्ध ज्ञात करना।
- सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि के कारणों का पता करना व सरकारी प्रयास।

**परिकल्पना**

- जयपुर महानगर में सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण अत्यधिक ट्रैफिक दबाव, अधिक जनसंख्या घनत्व, खुली सड़कों का होना तथा तीव्र गति से वाहन चलना है।
- सड़कों पर यातायात पुलिस की बढ़ती निगरानी एवं बढ़ती आपातकालीन चिकित्सीय सुविधाओं से दुर्घटनाओं में मृत्यु की संख्या घटती है।

**शोध विधि**

प्रस्तुत शोध में उद्देश्य एवं परिकल्पनाओं को ध्यान में रखते हुए विषय पर उपलब्ध साहित्य से सम्बन्धित लेखों, पुस्तकों, पत्र–पत्रिकाओं, प्रतिवेदनों का सूक्ष्म अध्ययन किया जायेगा। क्षेत्र की सूचनाएँ जयपुर की सड़क दुर्घटनाओं से सम्बन्धित संस्थाओं से एकत्रित करके विश्लेषित की जाएगी। अध्ययन क्षेत्र की जलवायु, वर्षा, भूमि उपयोग, शिक्षा का स्तर, आवारा पशुओं के प्रबन्धन की व्यवस्था, पार्किंग की व्यवस्था इत्यादि का सूक्ष्म अध्ययन किया जायेगा।

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु सामग्री तथा आंकड़ों का एकत्रीकरण निम्नांकित स्त्रोतों से किया जायेगा।

- **प्राथमिक स्त्रोत–** इस सम्बन्ध में अनुसूची, प्रश्नावली, परिचर्चा तथा कार्यकरण के बारे में व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से उपयोग किया जायेगा।
- **द्वितीयक स्त्रोत–** इस सम्बन्ध में प्रकाशित व अप्रकाशित सामग्री का उपयुक्त उपयोग किया जायेगा।

जिनमें जयपुर विकास प्राधिकरण, अस्पतालों, पुलिस थानों, बीमा कम्पनियों, पत्र–पत्रिकाओं तथा टी.वी. चैनलों के आंकड़े एकत्रित किये जायेंगे। सम्बन्धित पुस्तकें एवं जनसंचार माध्यमों में प्रकाशित सूचनाएँ तथा अन्य मुद्रित व अमुद्रित सामग्री का उपयोग किया जायेगा।

**बढती सड़क दुर्घटनाओं के कारण**

- **कानून प्रवर्तन की समस्या**

सरकार द्वारा बीते वर्ष मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन कर सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से इसके प्रावधानों को बेहद कठोर करने का प्रयास किया था, साथ ही वाहन सुरक्षा के लिए नए इंजीनियरिंग मानक लागू किये गये थे, किन्तु इनके प्रति उदासीनता के कारण यह समस्या अभी भी बनी हुई है।

- **यातायात नियमों का उल्लघंन**

आंकड़ों के मुताबिक अध्ययन क्षेत्रों में होने वाली कुल सड़क दुर्घटनाओं में से लगभग 76 प्रतिशत दुर्घटनाएँ ओवर स्पीडिंग और गलत साईड पर गाड़ी चलाने जैसे यातायात नियमों के उल्लघंन के कारण होती है।

- **ट्रेफिक इंजीनियरिंग**

सड़क यातयात इंजीनियरिंग और नियोजन केवल सड़कों को विस्तृत करने तक ही सीमित है जिसके कारण कई बार सड़कों पर ब्लैक स्पोट बन जाते हैं। ब्लैक स्पोट वे स्थान होते हैं, जहां सड़क दुर्घटना की संभावना सबसे अधिक रहती है।

- **निगरानी की कमी**

निगरानी की कमी के कारण "हिट एण्ड रन" से सबंधित अधिकांश मामलों की जाँच ही संभव नहीं हो पाती है। हेलमेट नहीं पहनने, सीट बैल्ट का प्रयोग नहीं करने से भी दुर्घटनाएँ बढ़ती हैं।

- **आपातकालीन चिकित्सीय सुविधाओं का अभाव**

दुर्घटना स्थल पर प्राथमिक चिकित्सा और पीड़ित को अस्पताल तक ले जाने के लिए परिवहन की अव्यवस्था देखी जाती है, जिसके कारण दुर्घटना में मरने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि होती है।

- **गुणवत्तापूर्ण ड्राईविंग स्कूलों की कमी**

सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली 75 से 80 प्रतिशत मौतों के लिए वाहन का चालक प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार होता है। यह आंकड़ा गुणवत्तापूर्ण ड्राईविंग स्कूलों की कमी को ईगिंत करता है।

**जयपुर में सड़क दुर्घटनाएँ (2009 से 2016)**

| वर्ष | दुर्घटनाएँ | मृत्यु | घायल |
|---|---|---|---|
| 2009 | 2007 | 415 | 1840 |
| 2010 | 2000 | 436 | 1808 |
| 2011 | 2002 | 406 | 1995 |
| 2012 | 1792 | 391 | 1636 |
| 2013 | 1794 | 399 | 1525 |
| 2014 | 1920 | 432 | 1693 |
| 2015 | 1894 | 476 | 1661 |
| 2016 | 3004 | 890 | 2625 |

*स्त्रोतः Government of India, Ministry of Road Transport and Highways Transport Research Wing, New Delhi.*

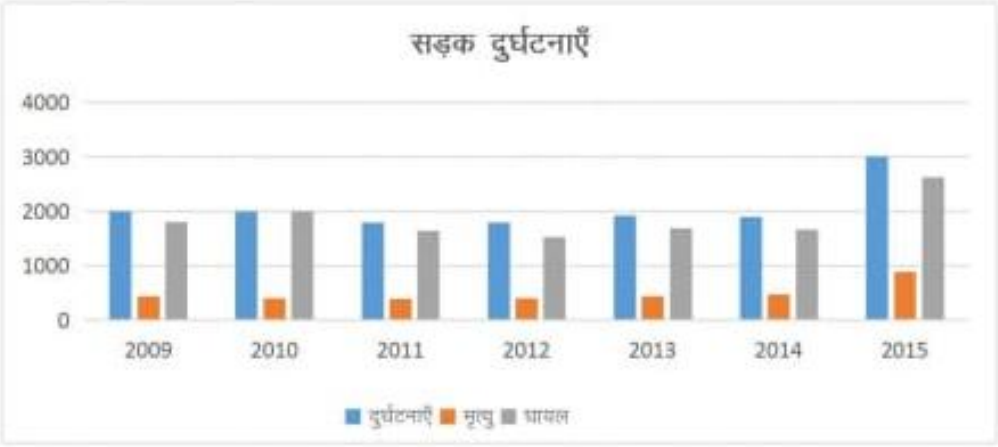


**प्रयास**

- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति के तहत विभिन्न नीतिगत उपायों की रूपरेखा तैयार की गई है, जिसमें जागरूकता को बढ़ावा देना, सड़क सुरक्षा सूचना डाटाबेस की स्थापना, सुरक्षित सड़क हेतू बुनियादी ढ़ाचें को प्रोत्साहित करना और सुरक्षा कानूनों का प्रवर्तन आदि शामिल हैं।
- विभिन्न चौराहों पर सी.सी.टी.वी. कैमरों से नजर रखना एवं यातायात पुलिस की तैनाती करना।
- सड़क सुरक्षा के बारे में बच्चों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से स्वच्छ सफर और सुरक्षित यात्रा नाम से दो कॉमिक बुक्स भी जारी की गई है।
- विभिन्न कैम्प एवं सेमीनारों में सड़क सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी लोगों तक पहुंचाना।

- हेलमेट, सीट बैल्ट के प्रति जागरूकता फैलाना।
- आपातकालीन चिकित्सीय सेवाओं को दुरूस्त करना।
- मास मीडिया और सोशियल मीडिया का प्रभावी ढ़ंग से उपयोग कर लोगो में जागरूकता फैलाना।

**निष्कर्ष एवं सुझाव**

- अध्ययन से स्पष्ट हुआ है कि यातायात दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग एवं घनी आबादी वाले क्षेत्र, यातायात साधनों की अधिकता ने दुर्घटना को प्रभावित किया है।
- दुर्घटनाओं को कम करने के लिए यातायात कार्यों का प्रबन्धन एवं यातायात सुरक्षा के पहलुओं का अनुसरण किया जाये तो अध्ययन क्षेत्र में यातायात नियंत्रित किया जा सकता है।

**संदर्भ सूची**


- यातायात भूगोल, देवेश कौशिक।
- यातायात भूगोल, जगदीश सिंह।
- परिवहन विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर।
- राजस्थान का भूगोल, एच.एस. शर्मा।
- राजस्थान रोड़ सेफ्टी डिपार्टमेंट।


❖◆❖